

विदेश संदेश

अबू धाबी में एयर इंडिया के विमान में लगी आग, आपात लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

अबू धाबी (संयुक्त अरब अमीरात)। एयर इंडिया एक्सप्रेस की अबू धाबी से भारत (केरल के कालोकट) जा रहे विमान की वापस अबू धाबी हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई। विमान की



इंजन में आग लगने के बाद उसे सुरक्षित उतारा गया। इस विमान में 184 लोग थे। एयर इंडिया एक्सप्रेस के भारत स्थित एक अधिकारी ने नई दिल्ली में बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। इस अधिकारी की मुताबिक अबू धाबी से भारत आ रहे विमान (एईएस 348) में 184 यात्री सवार थे। इंजन में तकनीकी खराबी आने के विमान में आग की लपटें उठने लगी। पायलट ने लपटों को देखते ही विमान की अबू धाबी में इमरजेंसी लैंडिंग कराई। अचानक तकनीकी खराबी और आग लगने की वजह की जांच की जा रही है।

भारत विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद इल्हान उमर विदेशी मामलों की समिति से हटाई गई

वाशिंगटन। डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद इल्हान उमर को रिपब्लिकन के जरिए शक्तिशाली विदेशी मामलों की समिति से बाहर कर दिया। इस कदम की वज़ाइ हाउस ने निर्दा की है। 40 वर्षीय इल्हान उमर पिछले कुछ वर्षों से सदन के अंदर और बाहर भारत विरोधी अधियान में शामिल रही है। वह इंजरायल और यहौदी गुरु की भी तीखी आलोचक रही है। सदन ने 211 मतों के मुकाबले 218 मतों से विदेश मामलों की समिति से उड़े बाहर कर दिया। उमर अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में तीसरी मुस्लिम सांसद है। वह मिनेसोटा के पांचवें कांग्रेसन जिले के प्रतिनिधित्व करती है।

प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष केरिंग कार्यकारी ने मतदान के बाद कहा-' जब विदेशी मामलों की बात आती है तो हमें लगता है कि उड़े (इल्हान उमर) काम नहीं करना चाहिए।' कार्यकारी प्रतिनिधि की इस बात को 'अन्यायपूर्ण' बताया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केरिंग जॉनपेर ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा-' हमें लगता है कि यह एक राजनीतिक चाल है। हाल के हफ्तों में प्रमुख समितियों से अन्य प्रमुख डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों द्वारा अन्यायपूर्ण तरीके से हटाया गया। यह अमेरिका के लोगों का अमान है।' जॉनपेर ने कहा-' हमारा मानना है कि सांसद उमर कांग्रेस की सम्मानित सदस्य हैं। उन्होंने पहले की गई अपनी टिप्पणियों के लिए मामी भी मांगे हैं।'

स्थांगार के 37 शहरों में मार्शल लॉ

यंगून। पूर्व एशियाई देश म्यांगार की राज्य प्रशासन परिषद ने रात दिक्षिण के चार क्षेत्रों के 37 शहरों और चार राज्यों में मार्शल लॉ लागू कर दिया। यह शहर सारिंग क्षेत्र के हैं। परिषद ने कहा है कि सैन्य कमांड के कमांडों ने सुरक्षा करने, कानून का शासन और शान और खेलों के लिए प्रशासनिक और नायिक शक्ति दी गई है। यह कदम देश में आपातकाल की स्थिति को छोड़ महीने के लिए बढ़ाया गया है।

अमेरिकी खुफिया चीफ का दावा- 2027 तक ताइवान पर हमला कर सकता है चीन

वाशिंगटन। अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए के डोयरेक्टर विलियम बन्स ने कहा है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ताइवान से संबंधित महत्वकांशों को कम करके नहीं अंका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस बात को जानता है और खुफिया जानकारी से पता भी चला है कि शी जिनपिंग ने अपनी सेना को 2027 तक ताइवान पर हमले का आदेश भी दिया हुआ है। अमेरिकी खुफिया चीफ ने कहा कि इसका उल्लंघन ये नहीं है कि शी जिनपिंग 2027 में ही हालते की याजना बनाई है। यह किसी और साल भी हो सकता है लेकिन हमें यह बाद रखना चाहिए कि शी जिनपिंग पूरी गंभीरता से इस पर फोकस बनाए हुए हैं।

ब्रिटेन में हुआ दथक का सबसे बड़ा प्रदर्शन :सुनक सरकार के खिलाफ 5 लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे, वेतन बढ़ाने की मांग की

रक्षा विभाग। ब्रिटेन में 5 लाख से ज्यादा लोगों ने लंदन की सड़कों पर उतर क्रृषि सुनक की सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसे ब्रिटेन ने पिछले एक दथक का सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

रक्षा विभाग ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर फिल्म एंड डिजिट एजेंसी ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर फिल्म एंड डिजिट एजेंसी ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर फिल्म एंड डिजिट एजेंसी ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर फिल्म एंड डिजिट एजेंसी ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर फिल्म एंड डिजिट एजेंसी ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर फिल्म एंड डिजिट एजेंसी ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर फिल्म एंड डिजिट एजेंसी ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर फिल्म एंड डिजिट एजेंसी ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर फिल्म एंड डिजिट एजेंसी ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर फिल्म एंड डिजिट एजेंसी ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर फिल्म एंड डिजिट एजेंसी ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर फिल्म एंड डिजिट एजेंसी ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर फिल्म एंड डिजिट एजेंसी ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर फिल्म एंड डिजिट एजेंसी ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर फिल्म एंड डिजिट एजेंसी ने ज्यादा लोगों में सबसे ज्यादा टीचर्स, सिविल सर्वेंट और ट्रेन के ड्राइवर्स रहे, जो अपना काम छोड़कर हड्डाल पर चले गए। इन लोगों ने सरकार से वेतन बढ़ाने और महांगाई को कटौती में करने की मांग की है।

इन्स्टीट्यूट फॉर